सांध्य दैनिक

क्राईम स्टोरी

देहरादून, मंगलवार 10 जुलाई 2018 (RNI No. UTTHIN/2009/30725) वर्ष 9, अंक 315 पृष्ठ 8 1.00 रूपये

त्रिवेन्द्र-हरीश जुगलबंदी से भूचाल!

रावत की दावतः कांग्रेस-भाजपा में 'हलचल'

- सोशल मीडिया पर नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चाएं तेज
- उत्तराखण्ड में फिलहाल मुखिया बदलने को तैयार नहीं 'हाईकमान'

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड में लम्बे समय से हरीश रावत व त्रिवेन्द्र रावत के बीच चल रही जुगलबंदी से एक बडा भूचाल उस समय मच गया जब त्रिवेन्द्र रावत हरीश रावत की आम की दावत में शामिल होने के लिए एक कार्यक्रम में पहुंच गये और दोनो ठाकुर नेताओं ने जिस तरह से एक साथ आम चुसते हुए ठहाके लगाये वह कांग्रेस व भाजपा के चंद दिग्गज नेताओं को अखर गये। भाजपा में इस बात को लेकर भूचाल मच गया है कि जो हरीश रावत अकसर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने निशाने पर लेते आ रहे हैं उनकी दावत ने आखिरकार क्या करने सरकार के मुखिया पहुंचे थे? वहीं कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में भी इस बात को लेकर हलचल मची हुई है कि ऐसी पार्टियां कर हरीश रावत कांग्रेस को कहीं न कहीं कमजोर करने की दिशा में अपने कदम आगे बढाये हुए हैं? मुख्यमंत्री का अचानक दिल्ली जाना सोशल मीडिया में चर्चा का विषय बना हुआ है लेकिन यह भी साफहै कि हाईकमान ऐसे मामलों पर सरकार के मुखिया को किसी भी कीमत पर हटाने के मूड में नहीं हैं?

उल्लेखनीय है कि पिछले लम्बे अर्से से देखने में आ रहा है कि हरीश रावत अकसर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर राजनीतिक हमला करते रहते हैं जिससे हमेशा भाजपा के चंद दिग्गज नेताओं में हरीश रावत की इस बयानबाजी को लेकर आक्रोश रहता है लेकिन जब भी कोई मौका आता है तो सरकार के हाकिम हरीश रावत से मिलने के लिए उनके दर पर पहुंच जाते हैं जो कि पार्टी के कुछ नेताओं को हमेशा खलता रहता है? देखने में आता रहा है कि अगर हरीश रावत की तबियत कभी नासाज हुई तो सरकार के मुखिया त्रिवेन्द्र सिंह रावत उनका हालचाल पूछने के लिए उनके दर पर पहुंच गये। हाल ही में झारखण्ड में हुये एक राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर जब वहां के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने सरकार के मुखिया से लेकर कुछ बडे राजनेताओं को अपने निशाने पर लिया तो हरीश रावत ने भी भाजपा सरकार को कटघरे में खडा किया। इसी बीच हरीश रावत ने आम व फ्लों की दावत में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को आमंत्रित किया तो सरकार के मुखिया त्रिवेन्द्र सिंह रावत भी हरीश की दावत में मुख्य मेहमान बनकर चले गये और हरीश रावत ने उन्हें अपने हाथों से आम चुसने के लिए दिया जिस पर दोनो ही ठाकुर राजनेताओं को इस दावत में एक साथ ठहाके लगाते हुए देखा गया जिसको लेकर इन दोनो राजनेताओं की इस जुगलबंदी की गूंज सोशल मीडिया पर भी तेजी के साथ गूंजने लगी। इतना ही नहीं आज जब त्रिवेन्द्र सिंह रावत को दिल्ली तलब किया गया तो सोशल मीडिया पर राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर खूब चर्चाएं शुरू हो गई हालांकि इन चर्चाओं में तिनकाभर भी सच नहीं लग रहा है क्योंकि छोटे मामले में राज्य के अन्दर नेतृत्व परिवर्तन करना किसी के भी गले नहीं उतर रहा है। भाजपा हाईकमान इस बात को लेकर तो नाराजगी दिखा सकता है कि कांग्रेस के जो पूर्व मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री पर राजनीतिक हमला करते आ रहे हैं उनकी दावतों में शामिल होने का क्या औचित्य है? हालांकि मौजूदा दौर में उत्तराखण्ड के अन्दर नेतृत्व परिवर्तन जैसी चर्चाएं सिर्फचर्चाएं ही बनकर रह सकती हैं क्योंकि दिल्ली के भाजपा सूत्रों का भी मानना है कि उत्तराखण्ड में फिलहाल नेतृत्व परिवर्तन को लेकर हाईकमान का कोई दूर-दूर तक विचार नहीं है लेकिन हरीश रावत से चली आ रही उनकी जुगलबंदी जरूर भाजपा के अन्दर एक नया भूचाल मचाये हुए है?

दावत के बाद शिक्षा मंत्री पर हरीश का वार

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने पहले सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत को आम खिलाये अब उनको गरियाना भी सुरु कर दिया। हरीश रावत ने सीएम को नसीहत दी है की वो और उनके मंत्री शिक्षा का भगवाकरण ना करे। दरअसल हरीश रावत ने बात पर अपने टवीट्र पर लिखकर कहा है की स्कूलों में भोजन मंत्र और गायत्री मंत्रो को तब लागू करें जब उनके मंत्री विधायक और अधिकारी बिना कागज के भोजन मंत्र बोल लें।

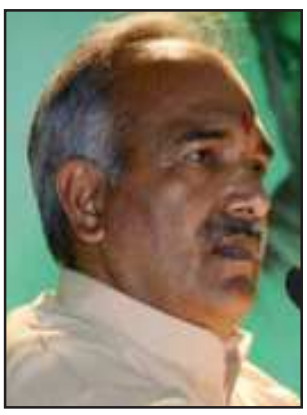

बहस छिड़ रही है कि क्या अब गायत्री का मंत्रोचार हमारे पुरोहितगण नहीं कर रहे हैं! क्या वो संस्कार हममें हमारे पुरोहितगण नहीं डाल रहे हैं कि ये जिम्मेदारी आपने अपने कंधों में उठा ली है! गायत्री को समर्पित हजारों हजार ऐसे उत्तराखंडी हैं, जो गांव-गांव में गायत्री संस्कारों को लोगों में पैदा कर रहे हैं। आप भोजन मंत्र की बात करते हैं, भोजन से पूर्व जो मंत्रोचार है, वो किया जाएगा। चर्चा हो रही है कि पहले सरकार अपने सारे कैबिनेट मंत्रियों से कहें और अपने सचिव गणों से कहिए कि एक एक बार मीडिया के सम्मुख आकर उन भोजन मंत्रों का बिना कागज का सहारा लिए हुए जरा उच्चारण तो कर लें, उनको ध्वनि तो दें। अपने से प्रारंभ करिए, शीर्ष से प्रारंभ करिए। छोटा 4,5,6,8,1० साल का बच्चा भी धीरे-धीरे सीख जाएगा। पहले खुद को सिखाइए, अपने इर्द-गिर्द के लोगों को सिखाइए, शिक्षा का भगवाकरण करने की इतनी जल्दी क्यों है? कहीं ऐसा ना हो, जो शिक्षा थोड़ी बहुत पटरी पर आई थी, आदर्श विद्यालय खुलने के बाद और शिक्षकों की बड़े पैमाने पर भर्ती करने के बाद, वो सिरे से पटरी से उतर जाए और हम ऐसे सतही मुद्दों पर उलझ करके रह जाएं और शिक्षित, प्रशिक्षित रुउत्तराखंड बनाने का जो संकल्प है, राज्य संकल्प है, वो संकल्प गड़मड़ा ना जाए।

इतना ही नहीं मंत्री अरविन्द पांडेय द्वारा दिए गए आदेश पूरा विपक्ष सरकार के शिक्षा मंत्री और विभाग के खिलाफ खड़ा हो गया है। कांग्रेस प्रवक्ता प्रदीप भट्ट ने कहा है की अच्छा होता की शिक्षा मंत्री पहले स्कूलों की जर्जर हालात सुधार लें और मुलभुत सुविचा दें उसके बाद ही इस तरह के फरमान सुनने की सोचे। उन्होंने कहा की शिक्षा मंत्री को सिर्फचर्चाओं में रहने की आदत हो गयी है और कुछ नहीं।

अजय भट्ट की नसीहत से गरमाई राजनीति

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत का अचानक दिल्ली का कार्यक्रम बना है सीएम डोईवाला में चल रहे उद्योग विभाग के एक कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद दिल्ली जायेंगे। हालांकि सीएम की तरफसे ये कहा जा रहा है की सीएम पूर्व सीएम एनडी तिवारी का हाल जाने के लिए जा रहे है लेकिन राज्य की राजनीति में चर्चा ये भी है की उनको बीजेपी आलाकमान ने भी अचानक बुलाया है।

सीएम के आज के कार्यक्रम में उन्हें नेता विपक्ष इंदिरा हृयदेश के साथ एक बैठक कर राज्य सुचना आयुक्त की बैठक के साथ साथ जनपद समीक्षा बैठक करनी थी लेकिन सीएम का दिल्ली जाना किसी के गले नहीं उत्तर रहा है। दिल्ली के साकेत में पूर्व सीएम एनडी तिवारी भर्ती है और बताया जा रहा है की उनकी हालात बेहद नाजुक बनी हुई है। इतना ही नहीं लगातार नेताओ का उनसे मिलना हो रहा है। तिवारी को जीवन रक्षक मशीनों पर रखा गया है।

तिवारी की हालात जाने के बाद बताया जा रहा है की सीएम बीजेपी नेताओ से भी मिलेंगे। कल ही पार्टी अध्यक्ष अजय भट्ट सीएम को नसीहत देते दिखाई दिए थे। भट्ट को सीएम त्रिवेंद्र का हरीश रावत की आम पार्टी में जाना नागवारा गुजरा है इतना ही नहीं इस बात की जानकारी पार्टी के बड़े नेताओ को भी दी गयी है। इतना ही नहीं बीते दिनों हुए उत्तरा प्रकरण से भी पार्टी के बड़े नेता नाराज है इस बारे में ही सीएम से बीजेपी के नेता बातचीत कर सकते है।

...तो आमिर खान के साथ फिल्म 3 इडियट्स में होते रणबीर कपूर!

बॉलिवुड की शानदार फिल्मों में से एक 3 इडियट्स जब रिलीज़ हुई थी तो इस फिल्म ने न केवल दर्शकों का दिल जीत लिया था, बल्कि कमाई के मामले में भी कई रेकॉर्ड्स बना डाले थे। इस फिल्म को आज भी लोग उतना ही पसंद करते हैं, जितना इसके रिलीज़ के समय किया करते थे, लेकिन क्या आपको पता है कि 3 इडियट्स की आमिर खान, आर.माधवन और शरमन जोशी की तिकड़ी में से एक रणबीर कपूर भी एक हो सकते थे। इस बात का हिंट खुद रणबीर हाल ही में मीडिया को देते दिखे।

रणबीर कपूर यह बात कई बार कह चुके हैं कि अगर 3 इडियट्स की सीक्वल फिल्म बनती है तो वह उसका हिस्सा जरूर बनना चाहेंगे, लेकिन कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणबीर ऑरिजनल फिल्म की स्टार कास्ट का हिस्सा भी हो सकते थे। मीडिया से बातचीत के दौरान रणबीर ने एक किस्सा शेयर करते हुए ये राज खोला कि पीके और संजू से पहले भी उन्हें डायरेक्टर राजकुमार हिरानी के साथ काम करने का मौका मिलने वाला था। उन्होंने बताया कि 3 इडियट्स की स्क्रिप्टिंग के दौरान उनकी राजकुमार हिरानी से मुलाकात हुई थी। इस फिल्म के लिए उस समय हिरानी नए ऐक्टर्स को लेना चाहते थे, लेकिन बाद में आमिर खान, आर.माधवन और शरमन जोशी इसकी फाइनल कास्ट बने और रणबीर 3 इडियट्स का हिस्सा बनने से चूक गए।

आपको बता दें कि रणबीर कपूर जल्द ही संजय दत्त की जिंदगी पर आधारित फिल्म संजू के साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने वाले हैं। ट्रेलर के बाद से ही रणबीर को उनकी ऐक्टिंग के लिए सराहना मिल रही है। राजकुमार हिरानी डायरेक्टेड यह फिल्म 29 जून को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

सोनम और अनिल कपूर की फिल्म का टीज़र रिलीज़

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस सोनम कपूर की नई फिल्म एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा का टीज़र रिलीज़ हो गया है। इस फिल्म में पहली बार सोनम अपने पिता अनिल कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। सोनम और अनिल के अलावा इस मूवी में जूही चावला और राजकुमार राव भी अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे।

फिल्म एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा के टीज़र को सोनम कपूर और अनिल कपूर ने अपने ऑफिशल ट्वटिर अकाउंट पर शेयर किया। सोनम ने टीज़र शेयर करते हुए लिखा, प्यार में स्यापा नहीं किया, तो क्या प्यार किया। वहीं अनिल कपूर ने प्यार तब भी था और अब भी है, लेकिन अब स्यापा हो गया लिखते हुए टीज़र को शेयर किया।

इस मूवी के टीज़र की शुरुआत अनिल कपूर की फिल्म 1942 अ लव स्टोरी के फेमस गाने एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा से होती है। इसके बाद कहानी सीधे 2018 में आती है, जिस पर सोनम कपूर की आवाज में कहा जाता है ट्रू लव के रास्ते में कोई न कोई स्यापा होता ही होता है। अगर न हो तो लव स्टोरी में फील कैसे आएगी।टीज़र से पहले इस फिल्म का पोस्टर सोनम कपूर ने ट्विटर पर फैन्स के साथ शेयर किया था। इस पोस्टर में सोनम शरमाती हुई नजर आ रही हैं।

यह पहली बार होगा जब सोनम कपूर और अनिल कपूर पहली बार किसी फिल्म में साथ दिखाई देंगे। सोनम के साथ काम करने के एक्सपीरियंस के बारे में अनिल कपूर ने कहा था यह अनुभव काफी अच्छा रहा। उन्होंने कहा कि सोनम एक एक्सपीरियंस्ड ऐक्ट्रेस हैं ऐसे में उनके साथ काम करना काफी आसाना था।

एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा की कहानी एक ऐसी लड़की की है जो अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुश नहीं है। इस बीच उसे अपने पिता के उनकी एक साथी के साथ नाजायज संबंधों के बारे में पता चलता है। प्यार और रिश्तों के ताने बाने को दिखाती यह फिल्म 12 अक्टूबर 2018 को रिलीज़ होगी।

धड़क अपने तरीके से अनूठी है ईशान खट्टर

फिल्म धड़क से डेब्यू करने जा रहे अभिनेता ईशान खट्टर का कहना है कि उनकी यह फिल्म अपने तरीके अनूठी है। ईशान बुधवार को मुंबई में एक रेडियो स्टेशन पर फिल्म के गाने झिंगाट के लॉन्च पर सहकलाकार जाह्नवी कपूर के साथ मीडिया से मुखातिब हुए।

यह पूछे जाने पर कि जब लोग उन्हें फ्यूचर स्टार के तौर पर देखते हैं तो उन्हें कैसा लगता है? इस पर उन्होंने कहा, मैं फिल्म की रिलीज से पहले खुद को स्टार नहीं कहूंगा लेकिन अच्छा लगता है जब लोग फिल्म के प्रोमो को देखकर उसकी सराहना करते हैं। जब लोग सर्मथन देते हैं तो सिनेमाघरों में फिल्म देखने की उम्मीदें और अधिक बढ़ जाती है। यह फिल्म वर्ष 2016 की मराठी फिल्म सैराट की रीमेक है। धड़क 20 जुलाई, 2018 को रिलीज होगी।

भोजपुरी से जुड़ा मशहूर सिंगर अकासा सिंह का नाम

एक तरफ जहां भोजपुरी गाने और फिल्में इंटरनेट पर जोर शोर से देखी जा रही है। वहीं, अब भोजपुरी फिल्म इंटस्ट्री में एक और बाला की एंट्री हुई है। जी हां, हिंदी गानों की मशहूर सिंगर अकासा सिंह ने अब भोजपुरी गानों में कदम रखा है। अगर आपको याद हो तो अकासा का एक गाना ठग रांझा इंटरनेट पर काफी वायरल हुआ था, और इस गाने को अब तक यूट्यूब पर 2 करोड से ज्यादा बार देखा जा चुका है। अब इसी गाने को अकासा ने भोजपुरी में गाया है, जो इंटरनेट पर काफी पसंद किया जा रहा है।

अकासा के इस भोजपुरी वर्जन को वायु ने कंपोज किया है, जबकि लिरिक्स विवेक त्रिपाठी की है। अकासा के इस गाने को सोनी म्यूजिक इंडिया ने रिलीज किया है। अकासा को असली पॉपुलैरिटी 2016 में आई सनम तेरी कसम फिल्म के गाने खींच मेरी फोटो से मिली थी। यह गाना आज भी लोगों के बीच काफी मशहूर है। बता दें, इन दिनों इंटरनेट पर भोजपुरी गाने और फिल्में काफी तेजी के साथ देखी जा रही है।

भोजपुरी फिल्म जगत के दिनेश लाल यादव निरहुआ, पवन सिंह, खेसारीलाल यादव, अम्रपाली दुबे, अक्षरा सिंह, रानी चटर्जी जैसे तमाम सितारे, जिन्हें कल तक सिर्फ भोजपुरी समझने और बोलने वाले ही लोग जानते थे, आज उनकी पहचान देशभर में हो चुकी है। इंटरनेट के माध्यम से इन सबका नाम लोगों के अब जुबान पर रहता है। अब आए दिन इंटरनेट पर भोजपुरी गाने और फिल्में वायरल होती है। इसी क्रम में अब अकासा का नाम भी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ चुका है।

डांस सीक्वेंस करेंगे आलिया-वरूण-सिद्धार्थ...

टाइगर श्रॉफ, अनन्या पांडे और तारा सुतारिया स्टूडेंट ऑफ द इयर 2 में रॉक करने के लिए तैयार हैं। फिल्म की घोषणा के बाद से ही यह किसी न किसी वजह से खबरों में बनी रहती है। अक्सर फिल्म के सेट से तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल होती हैं। अब इस फिल्म को लेकर सबसे दिलचस्प खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म में पुराने स्टूडेंट्स यानी वरुण धवन, आलिया भट्ट और सिद्धार्थ मल्होत्रा भी नजर आएंगे। ये तीनों स्टार्स फिल्म में एक गाने में साथ दिखाई देंगे। इनके साथ टाइगर श्रॉफ भी गाने में होंगे। यह गाना फिल्म की शुरुआत में होगा जिसमें कि पुराने स्टूडेंट्स कहानी को नए स्टूडेंट्स के हवाले करते हुए नजर आएंगे।

सांध्य दैनिक
क्राइम स्टोरी
website: www.crimestory.in
देहरादून
मंगलवार, 10 जुलाई 2018

कपकोट में आसमान से बरसा 'कहर'

बागेश्वर। उत्तराखण्ड में बागेश्वर जिले के कपकोट में रातभर बरसात होने से दुकानों, घरों, सड़कों और खेतों में जलभराव हो गया है । बरसात के पानी की रफ्तार इतनी तेज थी कि सड़कों और पार्किंगों में खड़े वाहन बहकर दूर जा पाहुँचे । प्रशासन को जानकारी मिलते ही रैस्क्यू कार्य शुरू हो गए और पीड़ितों को सहारा देने का काम शुरू हो गया। मौसम विभाग के हाई अलर्ट के बाद सोमवार रात से जिले में तेज बारिश शुरु हुई। कपकोट में 195 एमएम बारिश दर्ज की गई। मूसलाधार बारिश से कपकोट क्षेत्र के लोगों को आपदा का डर सताने लगा हैं। भारी बारिश से सरयू नदी उफन पर बहने लगी हैं। सरयू किनारे बने घाट पूरी तरह डूब गए हैं। भारी बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन ने आनन-फनन में कपकोट के सभी सरकारी, गैरसरकारी स्कूलों तथा आगनबाड़ी केंद्रो में छुट्टी घोषित कर दी। सोमवार रात हुई बारिश के दौरान आए मलबे ने कई वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। कई घरों व दुकानों में पानी घुस गया। आपदा प्रबंधन विभाग ने नदी किनारे रह रहे लोगों को सतर्क रहने को कहा है। तेज बारिश के चलते नदी-नाले उफनाए हैं। जिससे लोगों में भय पैदा हो गया हैं। कपकोट क्षेत्र में सबसे अधिक बारिश हुई। करीब पांच घंटों में कपकोट क्षेत्र में 195 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मूसलाधार बारिश को देखते हुए कपकोट तहसील प्रशासन भी पूरी रात सक्रिय रहा। करीब सुबह तीन बजे आपदा कंट्रोल रुम को कपकोट से सरयू का जल स्तर बड़ने की सूचना दी गई। जिसके बाद जिला प्रशासन तथा आपदा कंट्रोल रुम ने जल पुलिस को नदी किनारे रह रहे लोगों को सतर्क करने के निर्देश दिए। सरयू नदी के लगातार बढ़ते जल स्तर को देख कर नदी किनारे रह रहे लोगों ने पूरी रात दहशत में गुजारी। मूसलाधार बारिश के बाद जिले की कई सड़के बन्द हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी के अनुसार सभी सड़कों को खोलने के लिए लोनिवि को निर्देश दे दिए गए हैं। जेसीबी मशीनों द्वारा बंद सड़कों को खोलने का काम शुरु कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने देर शाम तक सभी सड़क मार्गों को खोलने की बात कही हैं।

कई क्षेत्र हो गये जलमगन

कपकोट नगर पंचायत के वार्ड नंबर दो में चन्दन तिरुवा, कैलाश तिरूवा, उछपा देवी, दुर्गा प्रसाद आदि के घर में पानी भरने से खाने का सामना, बर्तन, नकदी भी बह गए हैं । क्षेत्र के दुकानदार दीपक कपकोटी, कुन्दन सिंह, प्रकाश सिंह की दुकान मे रखा सामना भीगने से खराब हो गया है । मौसम का ये बदलाव बीती रात भयानक बारिश के बाद शुरू हुआ जब कपकोट चकतरी को जाने वाले रास्ते मे आपदा आने से मकानों को खतरा हो गया और सड़क में रुकी गाड़ियों को भी नुकसान हो गया। कई जगह तो गाड़ियां बहकर दूसरे स्थान पर जा खड़ी हुई। पानी के तेज बहाव के चलते गाड़ियां मलवे में दब गई और कुछ तो नदी में जा गिरी। कई ग्रामीण लिंक मोटर मार्ग बंद हो गए हैं। पूरे क्षेत्र में जनजीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया है। पीड़ित ग्रामीणों का कहना है कि उनका बहुत नुकसान हो गया है और ऐसे में सरकार ने उन्हें मदद करनी चाहिए। प्रशासन का कहना है कि रातभर में लगभग 225 एम.एम.बरसात हुई है, जिससे क्षेत्र में जलभराव हो गया है और चार वाहन भी बह गए हैं जिन्हें एस.डी.आर.एफ.की मदद से रैस्क्यू कर लिया गया है । उन्होंने कहा कि क्षेत्र के हालातों पर नजर रखी जा रही है । प्रशासन ने बताया कि बेघरों को आशियाना दिया जा रहा है ।

'आप' ने उठाई ट्रीटमेंट प्लांट के खिलाफ आवाज

देहरादून। शीशमबाड़ा स्थित वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट द्वारा पर्यावरण को पंहुचाए जा रहे नुकसान को लेकर आम आदमी पार्टी मुखर दिखाई दी और उसने इसके खिलाफप्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष को ज्ञापन भी सौंपा है।

आज आम आदमी पार्टी द्वारा शीशमबाड़ा स्थित वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट में पर्यावरण व प्रदूषण मानकों की खुली अवहेलना को लेकर उत्तराखंड पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष को एक ज्ञापन सौंपा गया। विदित हो कि लगभग 6 माह पूर्व नगर निगम देहरादून द्वारा सहस्त्रधारा रोड स्थित कूडाघ्घर को सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार जल्दबाजी में आधे-अधूरे बने शीशमबाड़ा स्थित वेस्ट प्लांट स्थान्तरित किया गया था। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी की प्रदेश संगठन मँत्री उमा सिसौदिया ने कहा कि शीशमबाड़ा स्थित कूड़ाघर का निर्माण अवैध रूप से नियम कानूनों को ताक पर रखकर किया गया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित मानकों का जरा भी पालन नहीं किया गया है। स्थानीय क्षेत्रवासियों द्वारा भी शीशमबाड़ा कूड़ाघर के निर्माण के समय से ही इसका लगातार विरोध किया जाता रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित इस कूड़ाघर के आसपास बड़ी संख्या में शैक्षणिक संस्थान, कार्यालय व रिहायशी क्षेत्र स्थापित हैं। दुर्गंध व यत्र-तत्र बिखरे कूड़े-कचरे के कारण स्थानीय क्षेत्रवासियों का जीना दूभर है व बीमारियों के संक्रमण का खतरा तेजी से बढ़घ् रहा है। आने वाले बरसाती मौसम को देखते हुये क्षेत्र में प्रदूषण व पर्यावरण की स्थिति और भी भयावह हो सकती है।

इस अवसर पर बोलते हुए जिला अध्यक्ष मध्य दून विशाल चौधरी ने कहा की शीशमबाड़ा कूड़ाघर की निर्माता रैमके कम्पनी उत्तराखंड में अपने निर्माण कार्यों को लेकर शुरू से ही विवादित और ब्लैक लिस्टेड रही है, फिर भी तत्कालीन सरकार व नगर निगम द्वारा कम्पनी द्वारा निर्धारित निर्माण, प्रदूषण व पर्यावरण मानकों का पालन नहीं किये जाने के बाद भी क्षेत्रवासियों के विरोध के बावजूद शीशमबाड़ा कूड़ाघर प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी गयी, जिसके कारण क्षेत्रवासियों में व्यापक रोष व्यापत है। जिला अध्यक्ष महंत राज गिरी ने माँग की है कि तत्काल प्रभाव से जनहित में शीशमबाड़ा स्थित वेस्ट प्लांट के संचालन पर रोक लगायी जाये, अन्यथा आम आदमी पार्टी क्षेत्रवासियों को साथ लेकर विरोध में जनान्दोलन छेड़ने पर बाध्य होगी।

ओवरलोडिंग पर चलेगा एडीजी का हंटर

देहरादून। पौड़ी के नैनीडांडा ब्लॉक में हुई भीषण सड़क दुर्घटना ने पूरे प्रदेश को

हैरत में डाल दिया था कि आखिर इतनी बड़ी दुर्घटना हुई तो हुई कैसे। मामले की जांच पड़ताल की गई तो वजह सामने आई कि बस ओवरलोड होने के चलते दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। ओवरलोड की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए एडीजी कानून व्यवस्था ने अपने तेवर तलख करते हुए आदेश दिए है कि ऐसे ओवरलोड़ वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। एडीजी की इस हुंकार से ऐसा लग रहा है कि अब उत्तराखण्ड में यातायात एवं परिवहन नियम तोड़ने वालों की खैर नहीं होगी।

एडीजी कानून व्यवस्था अशोक कुमार के निर्देशन में प्रदेश भर में दिनांक 11 जुलाई 2०18 से 25 जुलाई, 2०18 तक ओवरलोडिंग/ओवर क्राउडिंग (क्षमता से अधिक सवारी) करने वाले वाहनों/वाहन चालकों के विरूद्ध एक 15 दिवसीय विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें ऐसे वाहन/वाहन चालकों के चालान, सीज एवं डीएल निरस्तीकरण की कार्यवाही की जाएगी। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु वाहनों में क्षमता से अधिक सवारी/माल वहन करने वाले वाहनों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही अमल में लाये जाने हेतु उत्तराखण्ड पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है।

अशोक कुमार ने बताया कि राज्य में घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारणों में से एक कारण ओवरलोडिंग है। मैदानी जनपदों में मालवाहक वाहनों द्वारा ओवरलोडिंग एवं पर्वतीय जनपदों में सवारी वाहनों द्वारा ओवर क्राउडिंग (क्षमता से अधिक सवारी) की जा रही है, जो कि मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाये जाने हेतु ओवरलोडिंग/ओवर क्राउडिंग करने वाले वाहनों के विरूद्ध कठोर इन्फोर्समेन्ट की कार्यवाही किया जाना नितान्त आवश्यक है।

सम्पादकीय

सरकार पर भारी, हड़ताली कर्मचारी

उत्तराखण्ड राज्य का निर्माण हुए दो दशक का समय बीतने जा रहा है। इस दौरान यहां कई सरकारें आई और गई। एक दर्द ऐसा रहा जिसका सामना प्रदेश में रही हर सरकार को करना पड़ा और भविष्य में करना पड़ेगा। वह दर्द है, हड़ताल। प्रदेश इतने विभाग नहीं जितने उन विभागों से जुड़े संगठन बन गए है। देखने में आया है कि हर विभाग में अलग-अलग इकाई के कई संगठन देखने को मिल जाते है। यह संगठन ऐसे उत्पन्न होते है जैसे मानो बरसात के मौसम जंगलों कुकुरमुत्ते उग आते हो। इन संगठनों से जुड़े लोगों का जब मन करता है तब वह कोई न कोई मांग का हवाला देते हुए एक औपचारिकतापूर्ण बैठक कर हड़ताल का ऐलान कर देते है। इनकी यह हड़ताल आम जनमानस पर कितनी भारी गुजरती इसका उदाहरण प्रदेश में कई बार देखने को मिला है। लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर डटे रोडवेज कर्मचारियों ने कल यह ऐलान कर दिया था कि आज से वह अपनी मांगों को लेकर रोडवेज के पहिए जाम कर देंगे। उनकी का यह ऐलान सुनकर सरकार के साथ साथ आम जनता भी सकते में आ गई थी। जनता यह सोचकर परेशान हो चली थी कि अगर रोडवेज के पहिए जाम हो गए तो उन्हें कहीं आने जाने में कितनी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। वह बात अलग है कि कल देर शाम सरकार से वार्ता कर उन्होंने अपनी हड़ताल वापस ले ली। कई मायनों में तो ऐसा प्रतीत होता है सरकारी विभाग से जुड़े इन संगठनों अपनी मांगे मनवाने के लिए हड़ताल को एक धंधा बना लिया है? सरकारी विभागों में तैनात यह कर्मचारी मोटी तनखवाह लेते है तथा सरकार द्वारा इन्हें विभिन्न प्रकार की सुविधाएं भी उपलब्ध होती है, शायद यही कारण है जोकि यह आम इंसान को कुछ समझते नहीं है और उनकी जिंदगी में हलचल मचाने के लिए हड़ताल के माध्यम से आगे आ जाते है? कुछ माह पूर्व राजधानी के नगर निगम के सफाई कर्मचारियों से जुड़ी स्वच्छकार समिति ने अपने समायोजन की मांग को लेकर आंदोलन का बिगुल बजाते हुए हड़ताल शुरू कर दी थी। इनकी इस हड़ताल का परिणाम क्या रहा था यह किसी से भी छिपा नहीं है। हड़ताल के दौरान सड़कों व घरों से कूड़ा उठना बंद हो गया था। जिसकी वजह से सड़क किनारे कूड़े के बड़े बड़े ढेर लगने शुरू हो गए थे। राजधानी का जनजीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त होता दिखाई देने लगा था। पर्यटन सीजन के दौरान सफाई कर्मचारियों की यह हड़ताल कितनी घातक साबित हो रही थी इसका अंदाजा तब लगा जब दून, मसूरी, ऋषिकेश आदि स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में कमी देखी गई। राजधानी की सड़कों के किनारे लगे कूड़े के अंबार को देख कुछ पर्यटक तो दून से ही अपने घर वापस यह कहकर जाते हुए दिखे कि आगाज यह है तो अंजाम क्या होगा? सफाई कर्मचारियों की इस हड़ताल पर सरकार की कुंभकरणीय नींद भी बड़ी देर खुली और उसने सफाई कर्मचारियों की मांगों का संज्ञान लेते हुए उन्हें आश्वासन दे दिया कि उनकी मांगे पूरी होंगी। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म होने के बाद दून की सड़कों से कूड़ा उठना शुरू हुआ और आम जनमानस की दिनचर्या पटरी पर आ सकी। वह बात अलग है कि सरकार न जो आश्वासन सफाई कर्मचारियों को दिया था वह अभी तक पूरा नहीं हो पाया है? कितनी हैरानी वाली बात है सरकारी विभागों के कर्मचारियों द्वारा बनाए गए संगठन कितने बलशाली हो चले है कि वह अपनी मांगों को लेकर सरकार को ऐसे घेरते है कि मानों वह सरकार से भी कितने बड़े हों? अपनी विभिन्न प्रकारों की मांग को लेकर यह संगठन हड़ताल पर ऐसे चलते जाते है कि उन्हें यह भी दिखाई नहीं देता कि उनकी इस हड़ताल से आम जनता कितनी प्रभावित होने वाली है। इन हालातों से यह साफलगने लगा है कि प्रदेश में सरकार से ज्यादा ताकत यह सरकारी विभाग से जुड़े यह संगठन रखते है?

चेकिंग के दौरान काटे 5 वाहनों के चलान

बागेश्वर। पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार के निर्देशानुसार डंगोली चौकी पुलिस द्वारा वाहनों का औचक निरीक्षण किया गया। चौकी इंचार्ज बीएस नैनवाल की अगुवाई में पुलिसकर्मियों ने डंगोली तिराहे पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस द्वारा बिना हेलमेट,ट्रिपलिंग, बिना लाइसेंस के वाहन चलाने वाले 5 वाहनों का चालान किया। चौकी इंचार्ज नैनवाल ने वाहन चालकों को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि नियमों का उलंघन करने वालो को कतई बर्दाश्त नही किया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि अपने नाबालिक पाल्यों को दुपहिया ना दे। कहा कि अभिभावक बच्चों की हरकतों पर नजर बनाए रखें। डंगोली पुलिस द्वारा स्थानीय व्यापार मंडल,ग्राम प्रधान व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। पुलिस ने ग्रामीणों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी अपरिचित के गाँव में आने की सूचना तत्काल पुलिस को दे, कहा कि किसी भी अफवाह पर ध्यान ना दिया जाए। पुलिस अराजक तत्वों से निपटने के लिए मुस्तैद हैं। चौकी इंचार्ज नैनवाल ने बताया कि पुलिस द्वारा लगातार सत्यापन अभियान चलाया जा रहा हैं।

महिला ने दिखाई ईमानदारी, बैंक कर्मियों का रवैया टालमटोल

ऋषिकेश अमित सूरी- बैंक के बाहर मिले रुपए एक महिला ने ईमानदारी का परिचय देते हुए बैंक मे जमा करा दिए। आज उन रुपयों की जानकारी मांगे जाने पर बैंक कर्मियों ने महिला को कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया जिसके बाद महिला ने शहर के व्यापारियों को बुला लिया। व्यापारियों के दबाव में बैंक कर्मियों ने सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर जिस बैंक ग्राहक के पैसे गिरे उस तक पहुंचाने की बात कही जिस पर व्यापारी नेताओं का आक्रोश शांत हुआ। प्राप्त जानकारी के मुताबिक हरिद्वार रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक की मुख्य शाखा के बाहर सोमवार की दोपहर करीब 1रू०० बजे मायाकुंड में रहने वाली ममता रावत पत्नी चंद्र कुंवर को बैंक के गेट के बाहर खड़ी एक स्कूटी के समीप से नोटों की एक गड्डी मिली थी ,जिसे देख कर महिला ने उक्त गड्डी को उठाया और आनन-फानन में बैंक के भीतर जाकर बैंक कर्मियों को वह नोटों की गड्डी थमा थी। आज दोपहर सुप्त महिला फोन नोटों की जानकारी लेने जब बैंक पहुंची तो बैंक कर्मियों ने उसे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया जिसके बाद उक्त महिला के भाई ने शहर के व्यापारी नेताओं को बुला लिया सूचना पर व्यापारी नेता ललित मोहन मिश्रा पंकज गुप्ता पवन शर्मा आदि तुरंत बैंक पहुंच गए और बैंक अधिकारियों से उक्त नोटों की जानकारी मांगने लगे। काफी देर की टालमटोल के बाद बैंक अधिकारियों ने बताया कि उक्त महिला द्वारा 1०००० बैंक में जमा कराए गए थे। व्यापारी नेताओं के दबाव के बाद बैंक कर्मियो द्वारा सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई। बैंक कर्मियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज में जिस व्यक्ति के पैसे गिरे हैं उसकी फुटेज मिल गई है ।जल्द महिला द्वारा सोंपी रकम उसतक पहुंचा दी जाएगी ।पूजा व्यापारी नेताओं ने ईमानदारी का परिचय देने वाली ममता रावत की इमानदारी की मुक्त कंठ से सराहना की है।

आंदोलनकारियों का जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन

नगर संवाददाता

देहरादून। चिन्हीकरण सहित सात सूत्रीय मांगों के समाधान के लिए

आंदोलनकारियों ने प्रदेश सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफजिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर शीघ्र ही कार्यवाही किये जाने की मांग की। वहीं दूसरी ओर शहीद स्मारक पर 381वें दिन भी क्रमिक अनशन रहा और कहा कि लगातार सरकार उनकी उपेक्षा कर रही है जो चिंताजनक है।

यहां मंच से जुडे हुए आंदोलनकारी कचहरी स्थित शहीद स्मारक में इकटठा हुए और वहां पर उन्होंने अपनी सात सूत्रीय मांगों के समाधान के लिए जुलूस निकालकर जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री को जिला प्रशासन के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित करते हुए शीघ्र ही कार्यवाही किये जाने की मांग की। उनका कहना है कि अब आर पार का आंदोलन किया जायेगा। इसके लिए शीघ्र ही रणनीति तैयार की जायेगी। उनका कहना है कि सरकार की नीतियां जन विरोधी है और अभी तक उनकी समस्यायें हल नहीं कर पाई है जो चिंता का विषय है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा है अभी तक सरकार की ओर से किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई है। सरकार आंदोलनकारियों के हितों के प्रति गंभीर नहीं दिखाई दे रही है जिसके लिए आंदोलन करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन तेज किया जायेगा। उन्होंने शीघ्र ही सचिवालय कूच करने की चेतावनी दी। उनका कहना है कि अब आर-पार का आंदोलन चलाया जायेगा। इसके लिए रणनीति तैयार की जायेगी। उनका कहना है कि शीघ्र ही 1० प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का लाभ दिया जाना चाहिए, लेकिन अभी इस पर कोई निर्णय नहीं किया गया है।

उनका कहना है कि वह सरकार की नीतियों से खफा है। उनका कहना है कि वह सरकार की जन विरोधी नीतियों से नाराज है और सरकार उनकी सुध नहीं ले रही है जो चिंता का विषय है। उनका कहना है कि लगातार संघर्ष के बावजूद भी सरकार उनकी सुध नहीं ले रही है। उनका कहना है कि अभी तक 1० प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण नहीं मिल पाया है जो चिंता का विषय है। यह विधेयक आज भी राज्यपाल के यहां है और किसी भी प्रकार की कोई मंजूरी नहीं दी गई है। वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी का दर्जा आंदोलनकारियों को शीघ्र ही प्रदान किया जाना चाहिए और सेनानियों के आश्रितों को रोजगार में समायोजित किये जाने तथा सीमावर्ती जिलों से पलायन पर पूर्ण रूप से रोक लगाये जाने और आंदोलनकारियों को दस प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण को शीघ्र ही प्रदान किया जाना चाहिए।

जेईई व नीट की परीक्षायें दो बार कराये जाने का करेंगें विरोध

नगर संवाददाता

देहरादून। युवा उत्तराखंड क्रांति दल के केंद्रीय महामंत्री सुशील कुमार ने कहा है कि हाल में मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर द्वारा देश के सभी माता पिता और विद्यार्थियों को सूचित किया गया की जेईई एवं नीट की परीक्षा अब से साल में दो बार आयोजित होगी तथा समस्त परीक्षा कंप्यूटर के द्वारा आयोजित होगी।

यहां दल के केन्द्रीय कार्यालय में पत्रकारों से रूबरू होते हुए उनका कहना है कि केंद्रीय मंत्री से प्रश्न है कि क्या यह निर्णेय लेने से पहले उत्तराखंड एवं कई अन्य राज्यों में शिक्षा के संसाधनों पर विचार किया है, प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था हाशिये पर है। उनका कहना है कि प्रदेश में पर्वतीय तथा ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी जहाँ फिजिक्स एवं केमिस्ट्री की लेब भी उपलब्ध नहीं उन्हें कंप्यूटर बेस्ड टेस्टिंग पर देना कहाँ तक न्योचित है। उनका कहना है कि यह मानते हैं की ग्रामीण या पर्वतीय क्षेत्र के विद्याार्थी इन एग्जाम के लिए उपयुक्त नहीं है और इसलिए केवल शहरी व्यवस्था को ध्यान में रख कर यह निर्णय लिया है जो पूर्ण रूप से गलत है और इसका पुरजोर विरोध किया जायेगा। उनका कहना है कि जनवरी तथा फरवरी माह में परीक्षाओं के आयोजन से क्या बोर्ड विद्यार्थी परेशान नहीं होंगें। उनका कहना है कि कंप्यूटर प्रणाली को लाने पर बिना शिक्षा संसाधनों के चलते ग्रामीण तथा पर्वतीय क्षेत्र के विद्यार्थी कैसे परीक्षा अच्छा प्रदर्शन करेंगें। उनका कहना है कि ऑनलाइन परीक्षा यह कैसे सुनिचित करेगा की परीक्षा पेपर लीक नहीं होंगे जबकि एसएससी का उदाहरण हमारे सामने है। उनका कहना है कि साल में दो बार पेपर देने के चलते क्या अभिवावक दो बार शुल्क देंगें। उनका कहना है कि एसएससी एवं सीबीएसई परीक्षा में पेपर लीक होने की घटना एवं चुनाव को सामने देखते हुए केंद्रीय सरकार बिना शिक्षा संसाधनों का आंकलन किये जनता के समक्ष ये कागजी फैसले ले रही है , जिनका कोई आधार नहीं है।

आंगनवाडी कार्यकर्त्रियों की मांगें एक, प्रदर्शन अलग-अलग गुटों में

नगर संवाददाता

देहरादून। आंगनवाड़ी कार्यकत्री सेविका कर्मचारी यूनियन एवं उत्तरांचल आंगनवाडी कर्मचारी संघ की मांगें एक समान होने के बावजूद भी वह गुटों में बंटी दिख रही है एक बीएमएस से सम्बद्ध है तो दूसरी सीटू से सम्बद्ध है लेकिन फिर भी एक मंच पर आने से कतरा रही है और इन दोनों संगठनों ने अपनी मांगों के समाधान के लिए जिलाधिकारी कार्यालय पर अलग अलग प्रदर्शन करते हुए अपना विरोध दर्ज किया।

यहां उत्तरांचल आंगनवाडी कर्मचारी संघ की महामंत्री सुशीला खत्री के नेतृत्व में आंगनवाडी कर्मचारी जिलाधिकारी कार्यालय में इकटठा हुई और वहां पर उन्होंने अपनी मांगों के समाधान के लिए प्रदर्शन करते हुए अपर जिलाधिकारी प्रशासन के जरिये मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

इस अवसर पर उनका कहना है कि आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं सहायिका को सरकारी कर्मचारी घोषित किये जाने, और सरकारी कर्मचारी की घोषणा से पूर्व आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को अठठारह हजार रूपये प्रतिमाह व सहायिका को बारह हजार रूपये प्रतिमाह दिया जाये और मिनी आंगनवाडी कार्यकत्रियों को भी पूर्ण केन्द्रों की भांति आंगनवाडी कार्यकर्त्रियों के समान ही मानदेय दिया जाये।

उनका कहना है कि आंगनवाडी कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा के तहत पीएफ, पेंशन, ग्रेच्युटी एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाये और बीमा राशि के लाभ में बढ़ोत्तरी की जाये। उनका कहना है कि आंगनवाडी कार्यकर्त्रियों एवं सहायिका की उम्र का बंधन हटाते हुए शत प्रतिशत पदोन्नति की जाये, इसी के तहत सुपरवाइजर एवं आंगनवाडी कार्यकर्त्रियों के पद से भरा जाये और जिन आंगनवाडी कार्यकर्त्रियों ने 15 वर्ष की सेवायें पूर्ण कर ली हे उन्हें उन्नयन हेतु वरिष्ठ आंगनवाडी कार्यकर्त्रियों व वरिष्ठ आंगनवाडी सहायिका नाम से पद सृजित किया जाये। इस अवसर पर अनेक आंगनवाडी कार्यकर्त्रियां व सहायिकायें मौजूद थी।

वहीं दूसरी ओर आंगनवाड़ी कार्यकत्री सेविका कर्मचारी यूनियन ने आईसीडीएस में पोषाहार के बदले पैसा देने का विरोध करते हुए आईसीडीएस को बचाये जाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आईसीडीएस में डिब्बा बंद भोजन व प्रत्यक्ष सश्शर्त नकदी हस्तांतरण को लागू करने के दम पर तुरंत रोक लगाई जाये और आईसीडीएस का किसी भी प्रकार से निजीकरण न किया जाये। आईसीडीएस का स्थाईकरण व सर्व व्यापीकरण किया जाये और केन्द्रीय बजट में आईसीडीएस के लिए पर्याप्त फंड आवंटित किया जाये।

पुस्तक मेले में बच्चों ने दिखाई रूचि

नगर संवाददाता

देहरादून। केन्द्रीय विद्यालय ओएनजीसी में विद्या बुक कलेक्शन के तत्वावधान में पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने जमकर रूचि दिखाई और किताबों का अध्ययन किया।

यहां कौलागढ़ रोड़ स्थित केन्द्रीय विद्यालय ओएनजीसी में विद्या बुक कलेक्शन के तत्वावधान में पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने जमकर रूचि दिखाई और किताबों का अध्ययन किया। यहां पर बीस रूपये से लेकर साढे तीन सौ रूपये तक की किताबें बिक्री के लिए रखी गई है और केन्द्रीय विद्यालय ओएनजीसी के छात्र छात्राओं ने पुस्तकों की भी खरीददारी की। इस अवसर पर छात्र छात्राओं के साथ ही शिक्षकों एवं अभिभावकों ने भी पुस्तक मेले का अवलोकन कर खरीददारी की। इस अवसर पर अनेक प्रकाशकों ने अपनी पुस्तकें मेले में रखी और इस अवसर पर शिक्षिकायें, शिक्षक, अभिभावक, छात्र छात्रायें मौजूद थे।

उच्च न्यायालय के आदेशों की हो रही अवहेलना

नगर संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय उत्तराखंड पार्टी के केन्द्रीय अध्यक्ष नवनीत गुसांई ने कहा है कि उच्च न्यायालय के आदेश पर शहर में हो रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान में राज्य सरकार के अधिकारी उच्च न्यायालय के आदेश का अनुचित तरीके से पालन कर रही है और इस प्रकार की अवहेलना का पुरजोर विरोध किया जायेगा।

यहां हरिद्वार रोड़ स्थित पार्टी के कार्यालय पर पत्रकारों से रूबरू होते हुए गुंसाई ने कहा कि यहां के प्रशासनिक अधिकारी बिना सही जांच के लोगों को व पूरे शहर को उजाड़ने में लगे हुए है तथा बिना जांच के लोगों को परेशान किया जा रहा है। उनका कहना है कि जो लोग सही जगह पर बसे हुए है उनको भी उजाड़ा जा रहा है। उनका कहना है कि गलत अतिक्रमण किये गये स्थान पर पार्टी समर्थन नहीं कर रही है। उनका कहना है कि सर्वे ऑफइंडिया, 501 आर्मी एरिया, आईएमए, दून स्कूल आदि जो की महत्वपूर्ण स्थान है इनकी भी दीवारे बिना कारण तोड़ दी गई है जबकि यहा पर चीन व आईएएस के एजेंट सक्रिय है।

उनका कहना है कि सर्वे ऑफइंडिया जो की पूरे संसार के भौगोलिक मानचित्र आदि दो सौ से तीन सौ वर्षो से बना रहे है उनको भी अधिकारी गुमराह कर रहे है व उनकी दीवार भी तोड़ दी गई है जो चिंताजनक है। उनका कहना है कि पीडब्ल्यूडी, नगर निगम, राजस्व विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की भी जांच की जानी चाहिए क्योंकि इन्होंने लाखों की सम्पत्ति एकत्र कर चुके है और अधिकांश सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किया हुआ है। उनका कहना है कि लगातार भवनों के मानचित्र दिखाने के बाद भी अनावश्यक रूप से लाल निशान लगाये जा रहे है और लोगों की सुनवाई नहीं हो रही है जिसके लिए आंदोलन किया जायेगा। इस अवसर पर पार्टी के अनेक सदस्य मौजूद थे।

एक नजर

यौन स्वतंत्रता के अधिकार पर विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सहमति से बनाए गए समलैंगिक संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर रखने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आज सुनवाई शुरू की और कहा कि वह देखेगा कि 2013 में दी गई उसकी व्यवस्था सही है या नहीं जिसमें, सहमति से बनाए गए समलैंगिक संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर रखने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को निरस्त कर दिया गया था। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि सुधारात्मक याचिकाओं में सीमित गुंजाइश होती है और इनकी सुनवाई किसी अन्य पीठ के समक्ष होनी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने इन मामलों में गैर सरकारी संगठन नाज फाउंडेशन को बहस आगे बढ़ाने की अनुमति दी और कहा कि वह जीवन और यौन स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार पर विचार करेगा।

मुठभेड़: दो आतंकि मारे गए, 3 नागरिक घायल

श्रीनगर। श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में मुठभेड़ में आज दो आतंकवादी मारे गए जबकि एक सुरक्षाकर्मी घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि कुंडुल्लान गांव में मुठभेड़ स्थल के निकट सुरक्षा बलों के साथ प्रदर्शनकारियों की झड़प में तीन आम नागरिक भी घायल हो गये। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि जिले के कुंडुल्लान में मुठभेड़ स्थल से दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों ने शोपियां के एक गांव की घेरेबंदी की और तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाईं। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की।

12 को मोदी मंत्रिमंडल का विस्तार संभव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 जुलाई को अपने मंत्रिमंडल का संक्षिप्त विस्तार और फेरबदल कर सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले यह मंत्रिमंडल में अंतिम फेरबदल होगा। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री का मुख्य जोर उत्तर प्रदेश पर रहने वाला है और इस बार मंत्रिमंडल में पश्चिमी उत्तर प्रदेश को ज्यादा तवज्जो मिलने के आसार हैं।

अपुष्ट रिपोर्टों के मुताबिक केंद्रीय राज्य मंत्री और बागपत से सांसद सत्यपाल सिंह का प्रमोशन तय है। सत्यपाल सिंह को कैबिनेट मंत्री बनाया जा सकता है।

राजकीय पॉलिटेक्निक बना पशुओं का चरागाह

प्रदेश सरकार संस्थान की सुध लेने को तैयार नहीं

अमित सूरी

ऋषिकेश। ग्रामीण क्षेत्र खदरी श्यामपुर स्थित करोड़ों रूपये की लागत से बना राजकीय पॉलिटेक्निक सरकार और जन प्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण पशुओं का चरागाह मात्र बनकर रह गया है। विदित हो कि वर्ष 2005 में ग्यारह करोड़ रूपये की लागत से बने इस संस्थान में दो छात्रावास एक डिस्पेंसरी और एक मीटिंग हाल के अलावा कैंटीन सहित नौ आवासीय भवन भी बनाये गए थे किन्तु बारह एकड़ भूमि पर बने इस भव्य संस्थान की सुध लेने को न तो सरकार तैयार है न जनप्रतिनिधि जागरूक हैं।

परिणाम स्वरुप संस्थान का विशाल परिसर मात्र पशुओं का चरागाह मात्र बनकर रह गया है। वर्ष 2015 में पूर्व कबीना मन्त्री और वर्तमान में राज्य के मुख्यमन्त्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत की अध्यक्षता में यहां भव्य वृक्षा रोपण किया गया था,किन्तु चहार दीवारी के क्षति ग्रस्त होने के कारण पौधे नष्ट हो गए।

तत्पश्चात स्थानीय निवासी और पर्यावरणविद विनोद जुगलान ने पुन: पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण हेतु संस्थान को गोद लिया तथा विद्यालय संरक्षण हेतु मुख्यमन्त्री सहित प्रधान मन्त्री कार्यालय को भी पत्र प्रेषित कर चुके हैं किन्तु अभी तक कार्यवाही होंनी बाकी हैपिछले वर्ष संस्थान के प्रधानाचार्य सुनील कुमार द्वारा संस्थान के संरक्षण हेतु तार बाड़ करायी गयी थी जो कि हाथी ने क्षतिग्रस्त कर दी हैजिसके कारण परिसर आवारा पशुओं का चरागाह और शरणस्थली बन गया है।

वर्ष 2013 में केदार आपदा के बाद गंगा नदी के जल स्तर में हुयी भारी वृद्धि के कारण परिसर की चहार दिवारी को भारी नुकसान हुआ था और छात्र छात्राएं बाढ़ के पानी में घिर गए थे जिसकी तत्काल सूचना पर तत्कालीन उपजिलाधिकारी और ऋषिकेश विधायक जायजा लेने पहुंचे थे लेकिन आजतक शासन प्रशासन की ओर से कोई सुरक्षा के प्रबन्ध नहीं किये गए हैं।ग्रामीणों की मांग है कि राजकीय पॉलिटेक्निक की चहार दिवारी के निर्माण कराकर परिसर के सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किये जाए।

नव निर्मित टीन शेड ने घाट की आभा में लगाए चार चांद

ऋषिकेश। नगर की हृदय स्थली त्रिवेणी घाट में श्री गंगा सभा द्वारा करीब 10 लाख रुपए की लागत से तैयार कराये गये बेहद खूबसूरत टीन शेड ने घाट की सुंदरता मे चार चांद लगा दिए है। जगमगाती लाइटों और हवादार पंखों से सुसज्जित नवनिर्मित टीन शेड ने जहां घाट की सुदंरता को काफी हद तक और बड़ा दिया है वहीं इससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को भी इससे राहत मिलेगी।

गौरतलब है कि पिछले कई माह से घाट का रखरखाव करने वाली श्री गंगा सभा की ओर से टीन शेड का निर्माण कराया जा रहा था । खास तौर पर मानसूनी मौसम के दौरान शाम के समय बारिश होने की सूरत में श्री गंगा सभा को सांध्य आरती करवाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़त था। बताया जा रहा है कि इसी को ध्यान में रख गंगा सभा द्वारा एक वृहद टीन शेड का निर्माण घाट पर कराया गया जिसमें बारिश होने की सूरत में भी हजारों लोग एक साथ खड़े होकर आरती कर सकेगें। लगे हाथो बताते चलें कि घाट का रखरखाव करने की जिम्मेवारी मिलने के बाद श्री गंगा सभा ने विगत 2 वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त धार्मिक एवं पर्यटन नगरी ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट को चमकाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। घाट पर प्लांटेशन के जरिए जहां श्री गंगा सभा ने श्रद्धालु एवं पर्यटकों को पौधरोपण के लिए प्रेरित करने का काम किया वही स्वच्छता की मिशन के लिए भी श्री गंगा सभा द्वारा लगातार सकारात्मक पहल की जा रही है ।इन सबके बीच त्रिवेणी घाट मे बनारस की गंगा आरती की तर्ज पर होने वाली संगीतमयी सांध्य आरती को शुरू कराकर उसे नई ऊंचाई तक पहुंचाने में श्री गंगा सभा का विजन किसी से छिपा नहीं है। शायद यही कारण है कि साध्य आरती की लगातार बढ़ती लोकप्रियता के चलते देश-विदेश की जानी मानी हस्तियां लगातार गंगा आरती में शिरकत के लिए नगर की हृदय स्थली त्रिवेणी घाट में पहुंचने लगी है।

कुष्ठ रोगियों को बांटे फल एवं आवश्यक सामान

ऋषिकेश। भारत विकास परिषद की ऋषिकेश शाखा व श्री देव सुमन शाखा मुनिकीरेती ने परिषद का 56 वां स्थापना दिवस कुष्ठ रोगियों के साथ बिताया ।

इस अवसर पर भजनगढ स्थित कुष्ट कॉलोनी में एकत्र हुए तमाम सदस्यों द्वारा कुष्ठ रोगियों को फ्ल ,कपड़े एवं जरूरत के आवश्यक सामान बांटे गए ।मंगलवार की सुबह परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष इंद्र कुमार गोदवानी के नेतृत्व में एकत्र हुए तमाम सदस्य मुनि की रेती के भजन गढ़ क्षेत्र स्थित कुष्ट कॉलोनी पहुंचे, जहां कुष्ठ रोगियों को फ्ल,कपड़े एवं आवश्यक सामान बांटे गए ।

इस अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष इंद्र कुमार गोस्वामी ने कहा कि परिषद की स्थापना दिल्ली में 2 जुलाई 1963 को हुई थी ।आज देश में 12 सौ से ज्यादा शाखाएं चल रही है जो संपर्क, सहयोग, संस्कार ,सेवा और समर्पण इन पांच सूत्रों को लेकर समाज में कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में समाज सेवा करना परिषद की प्राथमिकता है ।इस दौरान रमेश चन्द जैन,चन्द्रवीर पोखरियाल, रवि शास्त्री,अशोक रस्तोगी, अजय गुप्ता, लक्ष्मण सिंह चौहान ,राजीव अग्रवाल, कमल जैन ,सुनील अग्रवाल, दिनेश सती,सरोज डिमरी,ज्योति सजवाण आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मंच ने क्षेत्र के मेधवी बच्चों का किया सम्मान

रुद्रपुर। रूद्रपुर सांस्कृति मंच द्वारा आयोजित मेधवी बच्चों के सम्मान समारोह में प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष एंव पूर्व कैबिनेट मंत्री उत्तराखण्ड श्रीमती इन्दिरा हृदयेश ने उत्तराखण्ड बोर्ड और सीबीएसई बोर्ड की हाई स्कूल एंव इंटर परीक्षा में इस वर्ष रूद्रपुर शहर के टॉप टैन छात्रा/छात्राओं एंव प्रत्येक स्कूल के टॉपर्स सहित नगर एवं आस पास के सौ से अधिक टॉपर बच्चों को मंच पर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि इन्दिरा हृदयेश ने विध्वित दीप प्रज्लवति करके किया। नेता प्रतिपक्ष हृदयेश ने मेधवी बच्चों का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि मेहनत और लगन व्यक्ति को किसी भी मुकाम तक पहुंचा सकती है। उन्होने कहा उंचाईयों तक पहुंचने के लिए कुछ अलग हटकर प्रयास करने की जरूरत होती है तभी कामयाबी के शिखर तक पहुंचा जा सकता है। उन्होने कहा आज के बच्चे देश का भविष्य हैं इन्हें अच्छी शिक्षा के साथ संस्कारवान बनाना सभी का दायित्व है। बच्चों को शिक्षा के साथ साथ एक अच्छा नागरिक बनने के गुण भी सिखायें। श्रीमती हृदयेश ने रूद्रपुर सांस्कृतिक मंच द्वारा कला एवं संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होने कहा कि बच्चो को थ्योरी के साथ-साथ प्रेक्टिकल पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। उन्होने कहा रूद्रपुर सांस्कृतिक मंच द्वारा किये जा रहे प्रयासों में हरसंभव मदद की जाएगी।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष हृदयेश एवं विशिष्ठ अतिथि तराई विकास संघ के अध्यक्ष हिमांशु गावा, स्काईजोन कन्सलटेंट के एजूकेशन कन्स्लटेंट विनय हैरी ने उत्तराखण्ड बोर्ड की इंटर परीक्षा में शहर में टॉपटैन सूची में शामिल मयंक जोशी, मुकुल लोहनी, नगमा हुसैन, संजीव कुमार प्रजापति,रोहित कुमार रावत,जीवन चंद्रा,मोहित सिंह, कामना गंगवार, महरुनिसा, बजीत सिंह एंव सीबीएसई इंटर की परीक्षा में शहर के टॉप टैन रहे अंकित सिंघल,विपुल पंत, अरीजीत अरोरा,वृन्दा गुम्बर, अकांक्षा शर्मा, सारिका तिवारी, मुस्कान कालरा, समभवि शर्मा, इशिता सिंह, कुशाग्र गंगवार, स्वर्णिमा किरन वहीं हाई स्कूल में उत्तराखण्ड बोर्ड में टॉपटैप सूची में शामिल नवनीत पाल, आयुषि, दीपक गंगवार, आशु कुमार, विपिन कुमार गंगवार, विकास राठौर, गुंजन चंदौला, दीक्षा गंगवार, अंकुश कुमार, काजल भारती एंव हाई स्कूल में सीबीएसई बोर्ड के बच्चें टॉप टैन में रहे नंदनी गुप्ता,कार्तिके गोयल ,गुरलीन कौर, राशि सिंह, हरप्रीत सिंह, दिवयांश गंगवार, वर्निका पंचाल, हिमांशु राणा, आशुतोष पाण्डे, कुदरत पन्नू स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इनके अलावा जेसीज स्कूल की टॉपर दिव्यांश गंगवार, सारिका कोलंबस के ओजस काण्डपाल और रवनीत कौर आरएएन बिलासपुर के आशुतोष पाण्डे व कुशाग्र गंगवार आरएएन भूरारानी के नंदनी गुप्ता व आकृति सिंघल, एमेनिटी स्कूल की हरप्रीत सिंह और इशिता सिंह, होलीचाइल्ड के अनिरुद्ध बत्रा और वानी त्यागी, ब्लूमिंग डेल्स स्कूल की सनमीत चावला व आरुशिया सैफी, गुरूनानक हायर सेकेंडरी के ब्यूटी दास और दीपक सिंह, ऑक्सफोर्ड अकादमी की सोनाली डे व अंजलि मिश्रा, सेंट मेरी स्कूल की आदित्य राज राणा व दीक्षा रावत, रेनबो की हिमांशु राणा और अकांक्षा शर्मा , जवाहर नवोदय की आशीष बिष्ट, कान्फ्ल्यूएंस स्कूल के ध्रुव, सरस्वी विद्या मंदिर के नमीत पाल व जीवन चंद्रा, राजकीय कन्या इंटर कालेज अमन, एनएन झा इंटर कालेज के उमेश कुमार व मो० दानिश, गुरूनाकन कन्या इंटर कालेज की काजल भारती और नगमा हुसैन, आर्य कन्या इंटर कालेज की अंजलि और अयशा खान , श्री सनातन धर्म कन्या इंटर कालेज की आयुषि व तुलसी साहनी, कृष्णा इंटर कालेज के राहुल मिश्रा और जितांशु प्रताप, जनता इंटर कालेज के अंकुश कुमार व मयंक जोशी, सरस्वी शिशु मंदिर के विपिन कुमार गंगवार व मुकुल लोहनी, सुपर इंटर कालेज की मंजु और इमराना, शिशु भारती के विकशित कुमार चौहान और करन सिंह, महार्षि विघा मन्दिर की अनुष्का शर्मा, ए० एन० झा० के उमेश कुमार और मो० दानिश आदि टापर्स को भी सम्मानित किया गया। इससे पूर्व सम्मान समारोह को मंच के संयोजक केवल कृष्ण बतरा, विशिष्ठ अतिथि विनय हेरी मंच के अध्यक्ष सुधांशु गावा, कार्यवाहक महामंत्री पवन गाबा ने भी सम्बोधित किया।

इन्टर के बाद क्या करें

रूद्रपुर। रूद्रपुर सांस्कृतिक मंच द्वारा मेधवी बच्चों के लिए आयोजित सम्मान समारोह में पहुचे विशिष्ट अतिथि के रुप में पहुचें एजूकेशन कन्सलटेंट विनय हेरी ने बच्चों को इन्टर के बाद क्या करें, कैसे अपने ज्ञान को विदेशों में जाके बढाये और अपने देश की तरक्की में हिस्सेदार बने, उन्होने कहा की विदेश जाना कोई मुश्किल काम नहीं कम खर्चे में भी आप विदेश जाकर काम कर सकते है एजूकेशन ले सकते है। विनय ने बताया की वह अभी तीन दिन रुद्रपुर में ही है जिसको भी उनकी मदद की जरुरत है वह स्काई जोन कन्सलटेंट निकट गावा राईसमिल में मिलेंगे। उन्होंने बताया की उन्होने लगभग एक लाख से ज्यादा बच्चों को बाहर भेजा है और अब वह इस कार्य को एक सेवा के रुप में कर रहे है।

अंजू भारद्वाज को भाजयुमो ने किया सम्मानित

तीलू रोतेली सम्मान से नवाजी जा चुकी है अंजू

ऋषिकेश। भाजयुमो ने तीलू रोतेली सम्मान से नवाजी जा चुकी अंजू भारद्वाज को सम्मानित किया। महिलाओं के सम्मान में युवा मोर्चा मैदान में नारे को चरितार्थ करते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता जिला उपाध्यक्ष प्रकान्त कुमार के नेतृत्व में ऋषिकेश वीरभद्र रोड निवासी अंजू भारद्वाज के घर पहुंचे जहां उनके अदम्य साहस को सलाम करते हुए परिषद की ओर से उन्हें फूलमालाएं पहनाकर व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार के महिला व बाल विकास के अंतर्गत मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत द्वारा अंजू भारद्वाज को तीलू रौतेली वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनको तीन बार गंगा में डूबते हुए व्यक्तियों को बचाने के उपलक्ष्य में दिया गया था। ज्ञात रहे कि तीलू रौतेली पुरस्कार वर्ष 2017-18 के लिए विभिन्न जनपदों से कुल 30 नाम सामने आये थे। जिनमें से 13 महिलाओंध्किशोरियों का चयन किया गया। ऋषिकेश से अंजू इस बड़े सम्मान से नवाजी गई थी।उनकी उपलब्धि पर भाजयुमो ने भी आज उन्हें सम्मानित किया सम्मानित करने वालों में सुरेश कंडवाल, प्रमोद शर्मा, राजेंद्र बिष्ट, शिवम टुटेजा ,अमन कुकरेती, सुदेश मिश्रा, अनिल खेरवाल, संजय चौधरी, प्रशांत अमोली, प्रदीप शर्मा, आकाश आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पौधारोपण से करें प्रकृति का श्रृंगार: प्रेमचंद अग्रवाल

ऋषिकेश। देहरादून वन प्रभाग, ऋषिकेश रेंज के तत्वाधान में नमामि गंगे योजना के अंतर्गत गंगा वृक्षारोपण शुभारंभ सप्ताह पर आज वीरपुर खुर्द मैं उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष प्रेम चन्द अग्रवाल ने पौधरोपण किया। गंगा वृक्षारोपण सप्ताह जोकि 9 से 15 जुलाई तक चलेगा।इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष के सुपुत्र पीयूष अग्रवाल के जन्मोत्सव को आज इस वृक्षारोपण सप्ताह मैं सम्मिलित कर मनाया गया। इस मौके पर सभी प्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों ने पीयूष अग्रवाल को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।श्री अग्रवाल ने कहा कि पुत्र के जन्मोत्सव पर हमेशा वृक्षारोपण करते हैं ।उन्होंने सभी उपस्थति लोगों को भी परिवार में आने वाले विशेष मौकों पर वृक्षारोपण करने की सलाह दी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यदि भविष्य को सुनिश्चत रखना है तो पेड़ लगाना होगा नही तो भविष्य में आक्सीजन के सिलेंडर लेकर चलना होगा। उन्होंने मॉ गंगा को जीवनदायी बताया तथा उनको स्वच्छ रखने में सभी को आगे आने की अपील की। उन्होंने इस अवसर पर क्षेत्रवासियों से अपील की कि वृक्षारोपण को अपने व्यवहार में लाएँ एवं प्रकृति का जो सुख भोग रहे हैं इसके प्रति हमारी जिम्मेदारी बनती है कि आने वाला भविष्य भी खुली हवा में साँस ले सके। इस दौरान नमामि गंगे के तहत क्षेत्र को पॉलिथीन मुक्त बनाने के लिए वन प्रभाग द्वारा विधानसभा अध्यक्ष के माध्यम से थैले वितरित किए गए साथ ही ग्राम वासियों को पौधों का वितरण भी किया गया।

गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए सहयोग जरूरी: वर्तिका

ऋषिकेश। स्पर्श गंगा अभियान की टीम ने नो सेना अधिकारी वर्तिका जोशी को एक समारोह के दौरान सम्मानित किया।

मंगलवार की दोपहर स्पर्श गंगा अभियान की ऋषिकेश संयोजक सरोज डिमरी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम सम्मानित होने के बाद वर्तिका जोशी ने कहा कि करोड़ों देशवासियों की आस्था का प्रतीक माने जाने वाली गंगा को निर्मल व स्वच्छ बनाएं रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि देश और दुनिया में नदियों को विभिन्न नामों से जाना जाता है लेकिन गंगा की पहचान एक मां के रुप मे है ।कार्यक्रम मे शिरकत करते हुए उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री स्पर्श गंगा अभियान के प्रणेता डॉ रमेश पोखरियाल निशंक की पुत्री आरुषि पोखरियाल ने इस कहा कि वर्तिका जोशी ने 254 दिन में पूरे विश्व का भ्रमण कर देश और दुनिया में महिलाओं का नाम बढ़ाने का काम किया है।उनकी उपलब्धि से समूचे देश वासियों का गौरव बढ़ा है । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए स्पर्श गंगा अभियान की नगर संयोजिका सरोज डिमरी ने कहा कि भारत की बेटियां किसी से कम नहीं है। हमारे देश की रक्षा मंत्री भी आज महिला ही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ का नारा देकर एक अच्छी पहल की है।

दशहरा पर रिलीज होगी आयुष्मान-सान्या की बधाई हो

जंगली पिक्चर्स और क्रोम पिक्चर्स की आने वाली फिल्म बधाई हो की रिलीज डेट तय हो गई है। आयुष्मान खुराना और सान्या मल्होत्रा स्टारर यह फिल्म 19 अक्टूबर 2018 यानी दशहरा के मौके पर रिलीज होगी। बता दें, यह पहला मौका होगा जब इन दोनों स्टार्स की जोड़ी एकसाथ बड़े पर्दे पर नजर आएगी। इससे पहले 19 अक्टूबर की डेट जंगली पिक्चर्स की ही दूसरी फिल्म जंगली के लिए बुक थी जिसमें ऐक्टर विद्युत जामवाल लीड रोल में हैं। हालांकि, दशहरा अब भी जंगली पिक्चर्स की झोली में ही है। वहीं, फिल्म जंगली अब 5 अप्रैल 2019 को रिलीज होगी। कहा जा रहा है कि बधाई हो एक ऐसे परिवार की कहानी है जो कुछ अप्रत्याशित खबरों से ग्रस्त है।

सांध्य दैनिक
क्राईम स्टोरी
website: www.crimestory.in
देहरादून
मंगलवार, 10 जुलाई 2018

यहां कदम-कदम पर है 'मौत'

जान हथेली पर रख रास्ता तय करने को मजबूर आवाम

कमल जगाती

नैनीताल। उत्तराखंड के मुनस्यारी में दो जुलाई को बादल फटने के बाद से ही हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। यहाँ भूस्खलन से सड़कें तबाह हो गई हैं जिसके कारण लोगों को अपने गंतव्य तक पहुँचने के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाकर काम चलाना पड़ रहा है। पिथौरागढ़ जिले के मुनस्यारी क्षेत्र से आई इन भयभीत कर देने वाली तस्वीरों को देखकर आप सहज ही अनुमान लगा सहते हैं की इन ग्रामीणों को अपने रास्ते तय करने में कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। छोटे छोटे बच्चों और सामान को पीठ पर लादे ये परिजन, इन बड़ी बड़ी चट्टानों और नीचे गहरी खाई को पार करते हैं, जो वाकई इनके हौसले और हिम्मत का सबूत है। बड़ी उम्र के लोग और इस क्षेत्र की महिलाऐं उफ्नती नदी को लकड़ी के पुल के भरोसे पार करती हैं। पातो गांव और बुई गांव के बीच इस पहाड़ी को पार कर, नदी का सामना करना पड़ता है। यहाँ के लोग मीलों चलकर अपने रिश्तेदारों से मिल सकते हैं। अब ऐसे में इन लोगों के घर राशन व् दूसरी जरुरत की चीजें कैसे पहुँच रही हैं ये कह पाना सरल नहीं होगा। कहने को तो हमारा प्रदेश 18वर्ष का हो गया है, लेकिन आज का सबसे बड़ा सवाल ये बना हुआ है क्या जिस सपने को लेकर इस प्रदेश को बनाने की मांग उठाई गई थी, इतने आन्दोलन हुये, लोंग शहीद हुये क्या उन सबसे सपने पूरे हो सके है ? क्या उनके सपनो का ये प्रदेश बन सका है।

उत्तराखण्ड को बने 17 वर्ष से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन मुनस्यारी और धारचूला क्षेत्रों से आई ये तसवीरें आज भी राज्य के दुर्गम क्षेत्रों के हालातों की तरफ सरकार की सम्वेदनहीनता को दर्शाती हैं। ऐसे में राज्य का कोई भी राजनेता, अधिकारी, समाजसेवी या हम जनता उन परिस्थितियों में अपने को खड़ा करके देखें तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। देहरादून, नैनीताल, मसूरी, हरिद्वार, हल्द्वानी रुड़की, उधम सिंह नगर को तो पहले भी विकास की बहुत जरुरत नहीं थी। लेकिन राजनितिक इच्छाशक्ति की कमी ने लगभग सभी नेताओं को इन मैदानी शहरों की तरफ आकर्षित किया और ये दुर्गम क्षेत्र अति दुर्गम और 'गोस्ट विलेज' यानी 'भूत्या गाँव' में तब्दील हो गए।

देवभूमि भी पहाड़ों से नीचे को खिसक गई। पहाड़ों की मट्टी की उर्वरक श्रमता, यहाँ का स्वच्छ वातावरण, यहाँ की ठण्डी फिज़ा के फल, फूल, सब्जी आदि, यहाँ के मेहनती लोगों के परिश्रम का शुरू से ही सरकारी सिस्टम ने कोई फायदा नहीं उठाया।

हमें ठीक उसी तरह यहाँ के वातावरण का फायदा उठाना चाहिए जैसे नैनीताल उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान(जू) देश के मैदानी राज्यों से अलग स्नो लैपर्ड, रेड पाण्डा, मारखोर(भेड़ प्रजाति,पाकिस्तान का राष्ट्रिय पशु), ब्लू शीप ब्लैक हिमालयन बैअर(भालू) आदि ठन्डे क्षेत्रों के जानवरों को रखकर उठाया गया है। यहाँ की फल, सब्जी, अनाज आदि मैदानों से ज्यादा स्वादिष्ट होते हैं, जिसे प्रोत्साहित कर यहाँ के लोगों के साथ मैदानों में आर्थिक लाभ के लिए बेचा जाना चाहिए।

जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा शातिर लुटेरा

रुडकी। मंगलौर इलाके में हुई लूट की दो

घटनाओं का खुलासा करने के लिए एसपी देहात ने थाना प्रभारी व उनकी टीम को मैदान में उतारा तो पुलिस टीम ने झबरेडा के एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से लूटी गई नगदी, सामान, तमंचा व कारतूस बरामद किये हैं। हालांकि लूट की वारदातों में शामिल दो बदमाश अभी तक पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ पाये हैं।

आज एसपी देहात मणिकांत मिश्रा ने पत्रकारों से रूबरू होकर बताया कि 30 जून 18 को संजय कुमार पुत्र हुकम सिंह निवासी ग्राम ठोई थाना मंगलौर व 4 जुलाई 2018 को विष्णुदत्त पुत्र तुलसीराम ग्राम सढौली थाना थाना झबरेड़ा, हरिद्वार के साथ हुई लूट की घटनाओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि लूट की इन घटनाओं का खुलासा करने के लिए मंगलौर थाना प्रभारी प्रदीप मिश्रा व उनकी टीम को मैदान में उतारा गया था। उन्होंने बताया कि टीम द्वारा सुरागरसी कर सीसीटीवी फुटेज प्राप्त कर अभियुक्तों की शिनाख्त का अथक प्रयास कर अभियुक्त सोनू पुत्र बिजेन्द्र ग्राम बुडपुर नूरपुर थाना झबरेड़ा, हरिद्वार अभियुक्त को मुखबिर की सूचना पर एक तमंचे के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने पूछताछ में दोनों घटनाओं को अपने साथियों के साथ मिलकर अपने गैंग लीडर अक्षय की प्लानिंग पर अपने शौक परा करने के लिए लूट करना बताया तथा अभियोग उपरोक्त में लूटी गई संपत्ति बरामद कराई गई। उन्होंने बताया कि बदमाश के कब्जे से एक 315 बोर का तमंचा, दो कारतूस, दो हजार नगद लूटी गई दो पासबुक, थैला, एक चादर भी बरामद की गई है और लूट में शामिल अक्षय व शुभम की सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

ईनामी लूटेरा एसओजी ने दबोचा

देहरादून। पांच हजार रूपये के ईनामी बदमाश को एसओजी टीम ने पानीपत हरियाणा से दबोचकर उसे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। बदमाश वर्षों पूर्व विकासनगर व सहसपुर में वारदात करने के बाद से फरार चल रहा था जबकि इस गैंग का एक साथी एक वर्ष पूर्व मेरठ में पुलिस के हाथों मुठभेड में मारा जा चुका है तथा इसके एक ओर साथी की तलाश की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि जनपद की पुलिस कप्तान निवेदिता कुकरेती ने एसओजी प्रभारी पीडी भट्ट को टीम के साथ ईनामी बदमाशों को गिरफ्तार करने का टास्क दिया था। कप्तान के आदेश मिलने के बाद एसओजी प्रभारी पीडी भट्ट ने अपनी टीम के साथ ईनामी बदमाशों को तलाशने का ऑपरेशन शुरू किया।

कप्तान के आदेश पर ईनामी अपराधियों की सूची की समीक्षा कर विकासनगर सीओ पंकज गैरोला ने एसओजी प्रभारी को थाना विकासनगर एवं थाना सहसपुर से वांछित चल रहे 5000 के ईनामी आनन्द ऊर्फचच्चू की गिरफ्तारी के लिए टास्क सौंपा। एसओजी प्रभारी को उसके सम्भावित मसकनों पर सुरागरसी-पतारसी हेतु टीम भेज कर स्यवं भी तत्काल सम्भावित मसकनों पर रवाना हेने के निर्देशित किया गया।

एसओजी ने 7 जुलाई को अभियुक्त आनन्द ऊर्फ चच्चू के अस्थाई पते पर नि० लिसाड थाना काधला जिला मुज्जफ्फरनगर में दबिश दी गयी परन्तु आस पास के लोगों से पता चला कि काफी वर्षो से यहॉ पर नहीं रह रहा है उसका पूरा परिवार भाई -भतीजे भी लिसाड़ गॉव छोड़कर चले गये हैं। तत्पश्चात सुरागरसी पतारसी की गयी तो पता चला कि इसके कुछ परिचित दौलतपुर, मंशूरपुर (जिला मुज्जफ्फरनगर) में रहते हैं। उपरोक्त बताये स्थान पर एसओजी की टीम द्वारा सुरागरसी पतारसी की गयी तथा मुखबिर खास मामूर किये गये तो मुखबिर खास ने बताया कि अभी कुछ दिन पहले आनन्द अपने रिस्तेदारी में मंशूरपुर आया था परन्तु उसने अपना ठिकाना किसी को नहीं बताया। उसके साथ कोई एक और व्यक्ति था जिसकी बोली भाषा हरियाणा की लग रही थी। 8 जुलाई को एसओजी टीम सुरागरसी पतारसी एवं डेटा डम्प से सर्विलांस के आधार पर निगरानी कर जिला- जिन्द, हरियाणा पहुॅची।

बीते रोज प्रात: काल से ही अभियुक्त की सुरागरसी पतारसी में एसओजी टीम मामूर रही। तभी मुखबिर खास ने आकर सूचना दी कि जिस मुल्जिम की तलाश आप काफी दिनों से कर रहे हो वह इस समय भोलाचौक गीता कालोनी पानीपत में खड़ा है। मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त आनन्द सिंह ऊर्फ चच्चू को गीता कालोनी भोला चौक पानीपत से गिरफ्तार किया गया। जिसे गिरफ्तार कर थाना विकासनगर में लाकर वैधानिक नियमानुसार थाने में दाखिल किया गया। पांच हजार रूपये के ईनामी बदमाश के पकडे जाने पर पुलिस कप्तान ने एसओजी प्रभारी व उनकी टीम की पीठ थपथपाई है।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक राजेश शर्मा द्वारा इंटर ग्राफिक प्रिंटर्स, 64-नेशविला रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड से मुद्रित, 142 श्रीदेव सुमन नगर बल्लूपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।
सम्पादक : राजेश शर्मा मो.- 9897598151, **प्रबंध सम्पादक :** अभिषेक शाही मो.- 9897865003 कानूनी सलाहकार: प्रकाश टी पाल **E-mail ID:** crimestory.dial100@gmail.com नोट: समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन ही होंगे।